

धनानंदन द्वारा लिखी गई यह उपनिषद् एक अत्यनुष्ठान के रूप में लिखी गई है। इसमें विभिन्न धर्मों के बारे में विवरण दिये गये हैं। इसमें विभिन्न धर्मों के बारे में विवरण दिये गये हैं।